What is the computer

computer ⇒ computer एक electronic device है जिसे design किया गया है Information के साथ काम करने के लिए ये computer Latin के शब्द computer से लिया गया है जिसका अर्थ है calculation करना या Programmable machine इसके मुख्य तौर से तीन काम हैं जिसे डाटा को लेना जिसे हम input भी कहते हैं दूसरा काम उस डाटा को Prossessing डाटा को दिखाने का होता है जिसे output भी कहते हैं।

computer का अविष्कार किसने किया माडर्न computer का जनक ~~charles~~ Charles Babbage को कहा जाता है ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने सबसे पहले mechanical के नाम से भी जाना जाता है इसमें punchcard की मदद से डाटा को insert किया जाता है।

What is the fullform of computer.

C = commonly
O = operted
M = machine
P = Purticularly
U = used for
T = Technical
E = Educational
R = Research

Scanned with CamScanner

MONITOR

ये तीन प्रकार के होते हैं।

1. CRT monitor
2. LED (Liquid crystal Display)
3. LED (Light Emitting Diode)

मोनीटर एक ऐसा डिवाइस है जो आपके कम्पुटर के साथ atach न हो तो आप computer इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं क्योंकि वहां पर आपको कुछ दिखाई नहीं देगा मोनीटर का Display बहुत पतला होता है और यह पतले फिल्म Transistor (Liquid creystal Display) से बना होता है इस Display को (LCD) के नाम से जाना जाता है यह Digital Technology है जो एक flat सतह तरल क्रिस्टल के माध्यम से आकृति बनाता है यह कम जगह लेता है व बिजली कम खपत करता है

Scanned with CamScanner

Knowledge of computer key board

key-board एक टाइपराइटर की तरह होता है इसमें टाइपराइटर की जगह सभी keys होती हैं सबसे ज्यादा उपयोग आने वाली key-board Qwerty होता है key-board को computer से connect करने के लिए USB केबल का उपयोग किया जाता है।

key-board पर मौजूद keys को press करके computer को निर्देश दिया जाता है इन keys का कार्य अलग-अलग होता है यूजर को Text दिखाना हो तो इनकी सहायता से ही लिखता है।

computer के key-board में बटन होते हैं बटनों को keys कहते हैं key-board में अलग-अलग तरह की keys होती हैं।

विशेष प्रकार की keys में Bake space keys होती हैं जिसका कार्य जो टाइप किया गया है बायीं ओर के अक्षरों को ~~[illegible]~~ डिलीट करना होता है एक deleate key होती है जो कर्सर के दायीं तरफ के अक्षर डिलीट करती है।

Scanned with CamScanner

Mouse

Mouse ⇒ यह एक input Device है यह एक Painting device जिसका इस्तेमाल Pc के साथ Interact करने के लिए किया जाता है mouse का इस्तेमाल मुख्य रूप से computer स्क्रीन पर diffirent items को चुनने व उसके विषय में जानने व उन्हे खोलने व बन्द करने में किया जाता है mouse के इस्तेमाल द्वारा उपयोग कर्ता computer को कोई कार्य करने के लिए निर्देश देता है इसके द्वारा कार्यकर्ता computer स्क्रीन को इसके जरिए कही भी पहुंचा जा सकता है।

mouse के अलग - अलग दो भाग होते हैं जिनमें कि अलग अलग features और connectivity होते हैं विभिन्न प्रय: सभी माडल्स में दो mouse बटन और scoroller wheel होता है mouse में interface होते हैं यानि कि वो computer दूसरे कोई सिस्टम के साथ जुडने के लिए जो माध्यम होते हैं।

mouse को originally x-y Position indicator कहा जाता है जिसे कि Display सिस्टम में इस्तेमाल किया जाता है।

सन् 1963 में Deuglas Engel bort के द्वारा माउस का Invention हुआ था।

Scanned with CamScanner

C.P.U

C.P.U ⇒ इसका पूरा नाम central processing unit है जो Professer या micro Professer भी कहा जाता है P.C. से जुड़े विभिन्न उपकरणों को नियंत्रित करता है यह computer द्वारा प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण करता है यह एक इलेक्ट्रोनिक्स माइक्रो चिप है जो डेटा को इन्फोर्मेशन मे बदलते हुए प्रोसेस करता है इसे computer का ब्रेन कहते हैं यह computer system के सारे कार्यो का नियंत्रित करता है तथा यह इनपुट को आउटपुट में रूपांतरित करता है यह इनपुट तथा आउटपुट यूनिट से मिलकर पूरा computer system बनता है।

Memory unit ⇒ यह डेटा तथा निर्देश के सग्रह करने मे प्रयुक्त होता है इसे मुख्यत: दो वर्गो प्राइमरी व सेकेण्डरी में विभाजित करते हैं जब computer कार्यशील रहता है अर्थात वर्तमान में उपयोगी हो रहे डेटा तथा निर्देशों का सग्रह प्राइमरी मेमोरी में होता है सेकेण्डरी मेमोरी का उपयोग होने वाले डेटा तथा निर्देशों को संग्राहित करने में होता है।

UPS

UPS इसका पूरा नाम uniterrated Power sapply इसका यह मतलब है कि इसका उपयोग हम एक alternative power source के हिसाब से कर सकते हैं जो कि निरन्तर हमें Interrph on Power supply lord को प्रदान कर सकता है जो कि UPS हमेशा lord को हमेशा Power supply करती रहती है चाहे main supply of हो या फिर on हो UPS का main application है कि वह main Power supply के observe में हमें भी Issul न हो UPS की back up time (जिसका मतलब है कि कितने समय तक UPS को main Power supply के obsens में Power प्रदान करता है उसमें इस्तेमाल हुए batteries की type और quantity पर निर्भर करता है।

PRINTER

Printer => प्रिन्टर एक आनलाइन आउटपुट डिवाइस है जो कम्प्यूटर से प्राप्त जानकारी को कागज पर छापता है कागज पर आउटपुट की यह प्रतिलिपी हार्डकापी कहलाती है computer से जानकारी का आउटपुट बहुत तेजी से मिलता है और Printer इतनी तेजी से कार्य नहीं कर पाता इसलिए यह आवश्यकता महसूस की गई है कि जानकारियों Printer में ही स्टोर किया जा सके इसलिए प्रिन्टर में भी एक मेमोरी होता है जहां से यह सूचनाओं को धीरे - धीरे प्रिन्ट करता है।

Scanned with CamScanner

Date ....

* सावधानियाँ *

शॉप में कार्य करते समय ढीले कपड़े न पहने।
शॉप में जूते पहनकर आना चाहिए।
कार्य करते समय बातें नहीं करनी चाहिए।
कार्य करने के बाद यंत्रों को यथास्थान रखना चाहिए।
कार्य लेने से पहले यन्त्रों जाँच लेना चाहिए कि ठीक प्रकार से कार्य कर रहा है या नहीं।

चीजल को कसकर पकड़कर उसके ऊपर प्रहार मैलेट से करना चाहिए।

पेचकस को हैंडिल के ऊपर पकड़ कर नहीं ठोकना चाहिए।

Scanned with CamScanner

Date ....

Job No: 1

Object:- आरी व रन्दा चलाने का अभ्यास करना।

Material-: आम की लकड़ी साइज - (300 x 150 x 25) mm का 02 टुकड़ा।

Apparatus-: Carpentry vice, Try Square, plane, Saw, Marker and Measuring Tools.

Method-: (1) दिये गये आम की लकड़ी के गुटके को मापनी एवं गुनिया की सहायता से साइज तथा वर्गीकरण जाँचना।

जॉब को ड्राइंग के अनुसार मार्किंग करना तथा बैंच वाइस के सहारे रखकर दिये गये जॉब के तलों को रन्दो द्वारा समतल करते हैं।

पुन: गुनिया द्वारा जाय की मोटाई तथा सभी किनारों को 90° पर चेक करते हैं।

कटाई हेतु मार्किंग करना।

आरी द्वारा जॉब को काटना।

दिये गये माप के अनुसार चिन्हित स्थानों पर आरी कटाई करना।

Scanned with CamScanner

Topic .... Date ....

Job No :-2

Object :- क्रास हाफ लैप ज्वाइन्ट का बनाना।

Material :- आम की लकड़ी साइज (150×50×25)mm के दो गुटके।

Apparatus :- Carpentory vice plane try square marking gauge Scale and Measuring tools etc

Method :- (i) दिये गये आम की लकड़ी का मापनी की सहायता से साइज तथा वर्गाकता चेक करना।

ड्राइंग के अनुसार दी गयी मापों को चिन्हन तथा मापन औजारों की सहायता से जॉब पर मार्किंग करना।

गुनिया द्वारा जोड़ के हिस्सों को 90° पर चेक करना।

जॉब के दोनों चिन्ह हिस्से को टेनन सा द्वारा काटकर फरमर चिजिल से चिन्हित स्थान को खाली करते है

जॉब के दोनों स्थान को एक दूसरे पर रख करके मैलेट की सहायता से फिट कर देते हैं।

Scanned with CamScanner

Date ....

Job - No - 3

Object -: मार्टिन एण्ड टेनन जोड़ बनाना।

Material -: आम की लकड़ी का साइज (150×50×25) mm के दो टुकड़े।

Method -: (i) दिये गये आम की लकड़ी के टुकड़े को कारपेन्ट्री का वाइस में कसकर दी गयी मापो के अनुसार उनके सभी फलको को रन्दो से 90° पर तैयार करते है।

(ii) चित्रानुसार मापन एवं चिन्ह औजारो द्वारा मार्किंग करते है एक टुकड़े के मध्य में दूरी ऊचाई से चीजेल द्वारा साल बनाते है।

(iii) दूसरे टुकड़े में आरी द्वारा जूल को माप के अनुसार टेनन आरी से बनाते है।

(iv) टेनन एवं मार्टिस को साफ करके दूसरे को कसकसाकर फिटकर देते है।

(v) गुनिया द्वारा जोड़ के दोनो हिस्सा को 90° पर चेक करते है।

Scanned with CamScanner

Topic .... Date ....

Job No -: 4

Object -: डवटेल जोड़ बनाने का अभ्यास।

Material -: आम की लकड़ी साइज (150×150×25) mm दो टुकड़े।

Apparatus -: Carpentory vice, Bench stock, Try square, Marking gauge, Mallet plame, dovetail chisel Dove Tail Saw, martise

Method -: (i) दिये गये आम की लकड़ी का मापनी की सहायता से साइज तथा वर्गीयता चेक करके दी गयी मापों को चिन्हित करते हैं।

(ii) जॉब को बेन्च स्टाक के सहारे रखकर कारपेन्ट्री वाइस में कस देते हैं।

(iii) मापों के अनुसार सभी फलक को 90° पर तैयार करते हैं।

(iv) गुटके के बीच का मैटीरियल आरी तथा रुखानी की सहायता से निकाल देते है डव एवं टेल को साफ करके एक दूसरे में रखकर मैलेट की सहायता से फिट करते

(v) गुनिया के द्वारा जोड़ के दोनों हिस्सों को 90° पर चेक है।

Scanned with CamScanner

Date ....

Job No-5

Object-: मिट्रील जोड़ बनाने का अभ्यास

Material-: आम की लकड़ी (150×50×25) mm साइज के दो टुकड़े।

Apparatus-: Carpentry vice, Bench chisel stock Mallet Saw, Try Sovaare plane Marking gauge Marking tools.

Method-: (1) दिये गये आम की लकड़ी के दो टुकड़ों को बेंच में कसकर मापो के अनुसार फलकों में सधा करते है।

चित्रानुसार मापक औजरों की सहायता से मार्किंग करते है

जॉब को कारपेन्ट्री वाइस में कसकर बराबर-बराबर दो भागो में चित्रानुसार काटते है।

पुनः दो टुकड़ो के बीच से लकड़ी आरी तथा रुखानी की सहायता से साफ करते है। दो साफ किये गये हिस्सो को मैलेट की सहायता से फिट कर देते है

दोनो टुकड़ों में बने खांचो में एक दूसरे को फिट कर देते है।

Teacher's Sign ....

Scanned with CamScanner

Page No. ______
Date

प्रलेपन के उद्देश्य ⇒

(i) वस्तुओ को टूट - फूट से बचाता है।

(ii) लोहे की वस्तुओ को जंग से बचाता है।

(iii) लकड़ी को हानिकारक कीड़ो से आदि की रक्षा करता है।

(iv) वस्तुओ को जीवन प्रदान करता है।

(v) वस्तुओ को चिकना सुन्दर व आकर्षक बनाता है।

(vi) लकड़ी पर नमी का प्रभाव नहीं होने देता।

(vii) प्रलेपित सतह काफी हद तक प्रकाश व ऊष्मा का परावर्तन कर देती है।

Scanned with CamScanner

Date

— SYLLABUS —

First year Comman branchaz.

(i) Experiment no:- To Prepare a wooden Surface for Painting the Same.

(ii) Experiment no- To Prepare a wooden surface for and Polisfing the Same.

(iii) Experiment no:- To Prepare a metal surface for Painting and Painting the same with brush.

(iv) Experiment no:- To Prepare a metal surface for Spray painting an.

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

Painting tools.

Brusties ⇒ प्रलेपन मे सतह तैयार करने के लिए एक मुख्य पेंट का लेप करने के लिए अनेक प्रकार के ब्रुश का उपयोग किया जाता है।

Wire Brush ⇒ यह सामान्य ब्रुश है। जिसमे लकडी के फ्रेम मे स्पात की तैयारी लगाकर बनाया जाता है। इसका प्रयोग सतहो को तैयार के लिये किया जाता है। फ्रेम हाथ मे पकडकर तारो को सतह पर रगडते है।

Painting Brush :- पेंटिंग व वर्निश करने के लिए यह एक मुख्य उपकरण है। पेन्टिंग के लिए प्रयोग ब्रुश करते है। जो सुअर के बाल से बनाये जाते है। समस्त ब्रुश के बाल से बनाये जाते है।

Blow lamp :- यह प्रयोग शाला मे पेन्ट लगाने का फार्म करता है।

Scanned with CamScanner

Page No. ____
Date

Experiment No-1

Object :- पेंटिंग हेतु सतह तैयार करना तथा सतह की लकड़ी को ब्रुश से पेन्ट करना।

Material :- आम की लकड़ी का पटरा (300 x 100 x 60) लकड़ी का प्राइमर इनामेल पेन्ट

Tools :- ब्रुश 500 mm Size का।

Method :- दिये गए लकड़ी के पटरी को रेगमाल से घिसकर समतल की गई सतह को कपड़े से साफ करना चाहिए।

यदि किसी प्रकार की दरार या गड्ढा हो तो उसे पुट्टी से भरते हैं।

पुट्टी सूख जाने पर रेगमाल से समतल करते हैं। अब सतह पर लकड़ी का प्राइमर ब्रुश की सहायता से लगाते हैं।

इसके बाद ब्रुश की सहायता से दोनो अक्षीय दिशा मे इनामिल पेन्ट की पतली सतह बनाते हैं। पेन्ट के बाद सतह को सुखाते हैं।

Scanned with CamScanner

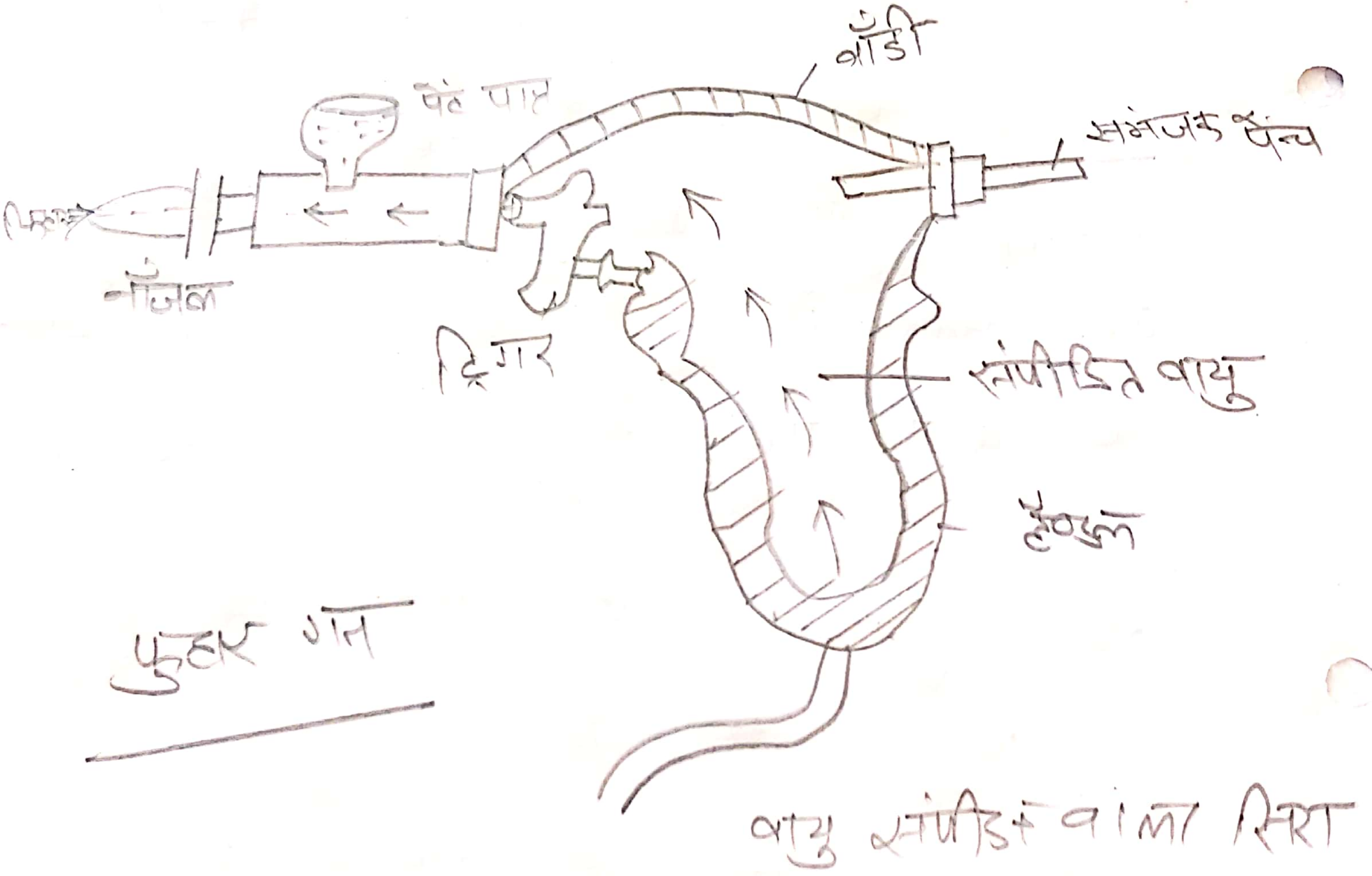

फुहार गन

Scanned with CamScanner

Page No. ______
Date

Experiment No - 2

Object :- स्प्रिट पॉलिश हेतु सतह तैयार करना तथा स्प्रिट पॉलिश करना।

Material ⇒ लकड़ी का पटरा रेगमाल आदि।

Method ⇒ देवदार की लकडी के पट्टे को रेगमाल से खूब घिसकर चिकना करना ताकि रेशे स्पष्ट हो जाये स्प्रिट भूरा चपड़ा एवं पिरामेरिन व संडरेक आदि को उचित मात्रा मे मिलाकर एक बोतल मे रखकर २ घंटे धूप मे रखकर।

(i) अब प्रयोग के लिए मिश्रण को मिलाकर एक प्याली मे डालकर निकालना रेगमाल के टुकडे को लगभग मोटी गद्दी बनाकर तथा इसको घोल मे डालकर झटके से निचोड लेते है।

(ii) अब तैयार सतह पर एक तरफ से दूसरी तरफ गद्दी को बिना उठाए दवाब के प्रयोग करना चाहिए पूरी सतह मे घोल की लग जाने के बाद उठाकर इसी क्रम मे यह क्रिया तब तक करनी चाहिए तब तक दिए सतह पर पूर्ण न हो जाए

(iii) इस प्रक्रिया को अवलोय दिशा मे करना चाहि

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

Experiment no - 3

object :- Black Iron sheet को ब्रुश पेंटिंग के लिए तैयार करना और उसे पेन्ट करना।

Tools - Black Iron sheet + (22 Gaze 300 x 150 x 2

method :- यदि शीट पर जंग लगी हो तो उसे रेगमाल पेपर की सहायता से साफ करना चाहिए।

(ii) उसके बाद कास्टिक सोडा के घोल से सीट की सफाई व धुलाई करनी चाहिए।

(iii) सतह पर गड्ढे आदि को भरकर सतह को अच्छी तरह सुखाना चाहिए।

(iv) पुनः पेपर से घिसकर सीट को साफ व चिकना करना चाहिए।

(v) अब इस समतल पर ब्रुश की सहायता से दिये गये पेंट को करना चाहिए।

(vi) पेन्ट की सतह को सुखाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

Experiment no - 4

Object ⇒ Black Iron sheet को Painting के लिए तैयार करना तथा उस पर Spray painting करना।

Tools ⇒ रेगमाल पेपर रूमाहिल पेंट प्राइमर लेड ऑक्साइड Black Iron Sheet (22 Gauge) Brush, Spray paint.

Method ⇒ यदि शीट पर जंग लगी हो तो उसे से साफ करना चाहिए तथा सतह Send Paper के गड्ढे आदि को पुट्टी से भरना चाहिए।

(ii) गड्ढे भरने के बाद पुनः रेगमाल से साफ व चिकना करना चाहिए।

(iii) अब इस समतल चिकनी मिट्टी सतह पर ब्रुश की सहायता से प्राइमर लगाया और अच्छे से सूख जाते हैं। बाद में पुनः रेगमाल से साफ करना चाहिए।

(iv) पेन्ट की सतह को अच्छी सतह सुखाया चाहिए।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

Experiment no. - 5

Object :- पदार्थों को मिलाकर पेन्ट वर्निश आदि तैयार करना।

Materials :- Base Zinc oxide (white) Iron oxide Red lead.

Solution ⇒ सामान्यतः तारपीन के तेल का प्रयोग किया जाता है। स्प्रिट या Alchonal का प्रयोग किया जा सकता है। निष्क्रिय पूरक पदार्थ चाक चिकनी मिट्टी लकड़ी का कोयला आदि।

Method ⇒ पेन्ट बनाने के लिए सर्वप्रथम मूलाधार को अच्छी तरह सुखाकर तेल के साथ बारीक पाउडर के रूप मे पीस लिया जाता है। फिर अन्य पदार्थ या तेल को मिलाकर उसे लेई के रूप मे तैयार किया है। इसे पतला करने के लिए उचित मात्रा मे विलायक मिलाया जाता है।

Scanned with CamScanner